भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-679

उत्तर देने की तारीख-24/07/2023

नेशनल बुक ट्रस्ट

†679. श्री डी. के. सुरेश:
श्री नलीन कुमार कटील:
श्रीमती सुमलता अम्बरीश :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) विभिन्न भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा दे रहा है और उनका प्रकाशन कर रहा है और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक भारतीय भाषा में वर्ष-वार और भाषा-वार कितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं;
(ख) क्या सरकार सभी भारतीय भाषाओं के और अधिक लोगों को शामिल करने हेतु नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के कार्यों का विस्तार करने की आवश्यकता महसूस करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने भारतीय भाषाओं में सभी आयु वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के लिए एनबीटी के कार्यों का और विस्तार करने के लिए कोई कदम उठाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार को जानकारी है कि एनबीटी में पिछले कई वर्षों से बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं और यदि हां, तो एनबीटी में स्वीकृत और रिक्त पदों का भाषा-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार ने एनबीटी की बेहतर कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए रिक्त पदों को भरने के लिए कोई कदम उठाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) जी, हाँ। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, जिसकी स्थापना 1957 में भारत में पुस्तकों को प्रकाशित करने और बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति उत्पन्न करने के लिए की गई थी। पिछले तीन वर्षों के दौरान

प्रत्येक भारतीय भाषा में प्रकाशित पुस्तकों की संख्या का वर्ष-वार और भाषा-वार विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ख) एनबीटी का 14 भारतीय भाषाओं में नियमित प्रकाशन कार्यक्रम है जिसमें असमिया, बांग्ला, बोडो, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मैथिली, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी शामिल हैं। एनबीटी जनजातीय भाषाओं सहित और अधिक भारतीय भाषाओं में प्रकाशन के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस संदर्भ में अन्य भाषाओं के साथ-साथ आओ नागा, असुरी, भोजपुरी, भीली, भतरी, बिहो, बिराजिया, भूमिज, धुबरी, गढ़वाली, गारो, गोंडी, हो, हल्बी, हरियाणवी, हिमाचली, खड़िया, खासी, कोकबोरोक, कोंकणी, कुडुक, कुमाउनी, लेप्चा, भूटिया, मालतो, मालवी, मिसिंग, मुंडारी, लिंबू, मिज़ो, नेवारी, निमाड़ी, मगही, राजस्थानी, तिब्बती, संथाली सहित 36 भाषाओं को जोड़ा गया है। एनईपी कार्यान्वयन योजना के हिस्से के रूप में, एनबीटी ने अपनी पुस्तकों के द्विभाषी संस्करण भी प्रकाशित करना शुरू कर दिया है और इन्हें हिंदी-अंग्रेजी, अंग्रेजी-तेलुगु, अंग्रेजी-तमिल, अंग्रेजी-पंजाबी, अंग्रेजी-मराठी और अंग्रेजी-उर्दू में प्रकाशित किया गया है।

(ग) जी, हाँ। उठाए गए कदम अनुलग्नक-II में दिए गए हैं।

(घ) नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत में स्वीकृत और रिक्त पदों का विवरण इस प्रकार है:

स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
275 + 15*	153+13*	122+02*

* संपादकीय अनुभाग में भाषा-वार पद

(ड.) रिक्त पद को भरने के लिए भर्ती नियमों में संशोधन एक सतत प्रक्रिया है।

*****

अनुलग्नक-I

माननीय संसद सदस्य श्री डी. के. सुरेश, श्री नलीन कुमार कटील और श्रीमती सुमलता अम्बरीश द्वारा 'नेशनल बुक ट्रस्ट' के संबंध में दिनांक 24.07.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 679 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्रमांक	भाषा	वर्ष 2019-20 में प्रकाशित पुस्तकें	वर्ष 2020-21 में प्रकाशित पुस्तकें	वर्ष 2021-22 में प्रकाशित पुस्तकें
1.	असमिया	13	82	80
2.	असुरी	3	-	3
3.	बांग्ला	144	44	171
4.	भतरी	-	-	3
5.	भोजपुरी	-	1	3
6.	भूमिज	2	-	3
7.	भूतिया	1	-	-
8.	बिहो	3	-	3
9.	द्विभाषिक	-	20	172
10.	बिराजिया	3	-	2
11.	बोडो	-	35	6
12.	अंग्रेज़ी	440	673	699
13.	गारो	-	-	6
14.	गोंडी	-	-	3
15.	गुजराती	275	88	5
16.	हल्बी	-	-	1
17.	हरियाणवी	-	28	
18.	हिमाचली	-	-	1
19.	हिंदी	756	854	1235
20.	हो	7	-	3
21.	कन्नड	15	73	67
22.	कश्मीरी	-	1	-
23.	खड़िया	6	-	5
24.	खासी	2	-	6
25.	कोकबोरोक	10	-	-
26.	कोंकणी	1	-	-
27.	कुड़ुख	6	-	6
28.	मगही	-	-	2
29.	मैथिली	-	1	4
30.	मलयालम	53	14	33
31.	माल्टो	-	-	2
32.	मणिपुरी	-	15	-
33.	मराठी	56	61	44
34.	माटो	2	-	-
35.	मिज़ो	8	1	-
36.	मुंडारी	7	-	6
37.	नेपाली	-	-	24
38.	उड़िया	136	202	181
39.	पंजाबी	22	61	90
40.	संस्कृत	6	5	1
41.	संथाली	-	-	5
42.	स्पैनिश	12	-	-
43.	तामिल	10	40	92
44.	तेलुगू	9	82	27
45.	उर्दू	5	28	9
	कुल	2013	2409	3003

माननीय संसद सदस्य श्री डी. के. सुरेश, श्री नलीन कुमार कटील और श्रीमती सुमलता अम्बरीश द्वारा 'नेशनल बुक ट्रस्ट' के संबंध में दिनांक 24.07.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 679 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

(क) जनजातीय भाषाओं में पुस्तकें

भारत की सभी प्रमुख, गौण और जनजातीय भाषाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत अन्य भाषाओं के साथ-साथ विभिन्न जनजातीय भाषाओं में जैसे असुरी, भतरी, भीली, बिहो, भूमिज, भूटिया, बिराजिया, बोडो, गारो, गोंडी, हो, हल्बी, खासी, कोकबोरोक, लेप्चा, मिज़ो, संथाली में किताबें ला रहा है। एनबीटी अब एक अभिनव त्रिभाषी प्रारूप में जनजातीय भाषाओं में मूल शीर्षक ला रहा है। *नाना मुआ, अमूर तिहार, बाघ पिला-चेंदरू, बस्तर चो तिहार, जेन किया नाद* सहित गोंडी-भतरी-हल्बी प्रारूप में पुस्तकों का एक सेट प्रकाशित किया जा रहा है।

(ख) ज्ञान संचार केंद्र

नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत की अनूठी अवधारणा के एक हिस्से के रूप में, जहां बड़े पैमाने पर जनता के लिए 360 डिग्री सीखने को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक अध्ययन क्षेत्र को एक नए प्रारूप में विकसित किया जा रहा है, ये पुस्तकालय - जिन्हें ज्ञान संचार केंद्र के रूप में जाना जाता है - सभी आयु समूहों के लिए विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों पर अध्ययन से संबंधित बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं, ताकि उन सभी लोगों के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके जो समाज के लिए शिक्षा को एक परिवर्तन उपकरण के रूप में देखते हैं। भारत की तरह नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) ने हरियाणा, कर्नाटक और पुदुचेरी सहित देश भर में लगभग 15 ऐसे केंद्र स्थापित किए हैं।

(ग) समग्र शिक्षा अभियान

समग्र शिक्षा अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में उनके संबंधित स्कूलों के पुस्तकालयों के माध्यम से पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के तहत, एनबीटी द्वारा स्कूली बच्चों के लिए कई भाषाओं में किताबें प्रकाशित की गई हैं। पुस्तकों का चयन संबंधित राज्य सरकारों के विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा उनके राज्यों में स्कूली बच्चों के लिए किया जाता है।

(घ) ब्रेल पुस्तकें

पूरे भारत में विशेष आवश्यकता वाले पाठकों के लिए किताबें आसानी से उपलब्ध कराने की अपनी पहल के तहत, नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत, ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड (एआईसीबी) के सहयोग से संयुक्त रूप से दृष्टिबाधित पाठकों के लिए ब्रेल में किताबें प्रकाशित करता है। किताबें केवल हिंदी और अंग्रेजी में ही नहीं बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं जैसे गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी और तमिल भाषाओं में भी प्रकाशित की जा रही हैं। अब तक 360 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

(ङ) अनुवाद कार्यशालाएँ

पाठकों विशेषकर बच्चों और युवा पाठकों की जरूरतों को पूरा करने और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए, नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत अपनी विभिन्न गतिविधियों जैसे अनुवाद कार्यशालाओं के माध्यम से अपने प्रकाशन कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है।

(च) सांकेतिक भाषा में पुस्तकें

नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत ने भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी), दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और पर्यावरण मंत्रालय के सहयोग से श्रवण दिव्यांगता वाले लोगों के लाभ के लिए सांकेतिक भाषा में किताबें प्रकाशित की हैं। प्रमुख प्रकाशनों को सांकेतिक भाषा में परिवर्तित करके, ट्रस्ट इस क्षेत्र को सशक्त बनाने की दृष्टि से श्रवण बाधितों की पढ़ने की आवश्यकताओं को पूरा करने की महत्त्वकांक्षा रखता है। यह पहल उन्हें विभिन्न लेखकों और विधाओं से परिचित कराएगी। इस पहल के हिस्से के रूप में, एनबीटी-इंडिया की वीरगाथा श्रृंखला के शीर्षकों को भारतीय सांकेतिक भाषा में परिवर्तित कर दिया गया है। इसके लिए ई-सामग्री 23 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सुश्री प्रतिमा भौमिक, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, और सुश्री अन्नपूर्णा देवी, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा लॉन्च की गई थी।

(छ) पीएम-युवा(युवा, आगामी और बहुमुखी लेखक) सलाह कार्यक्रम 1.0

प्रधान मंत्री युवा आगामी बहुमुखी लेखक (युवा) मेंटरशिप योजना 29 मई, 2021 को कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में एनबीटी के साथ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी। इस योजना की परिकल्पना देश में पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने और भारत और भारतीय लेखन को विश्व स्तर पर पेश करने के लिए की गई थी।

30 वर्ष से कम उम्र के लेखकों के लिए माइजीओवी और एनबीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से 01 जून से 31 जुलाई 2021 तक एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का विषय 'भारत का राष्ट्रीय आंदोलन' था जिसमें 'गुमनाम नायक', 'स्वतंत्रता आंदोलन में अज्ञात स्थानों की भूमिका' आदि फोकस क्षेत्र थे। कुल 75 लेखकों का चयन किया गया और उनकी पुस्तकें अब प्रकाशित हो चुकी हैं। अंग्रेजी सहित 22 भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 चुनिंदा लेखकों को मेंटरशिप स्कीम के तहत प्रति लेखक छह महीने की अवधि के लिए 50,000/- रुपये की समेकित छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त, किताबों के प्रकाशन और बिक्री पर एनबीटी द्वारा 10% रॉयल्टी का भी भुगतान किया जाएगा।

(ज) पीएम-युवा(युवा, आगामी और बहुमुखी लेखक) सलाह कार्यक्रम 2.0

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 2 अक्टूबर, 2022 को युवा लेखकों को सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री की योजना युवा 2.0 लॉन्च की। युवा 2.0 का लॉन्च युवाओं को भारत के लोकतंत्र को समझने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। युवा 2.0 भारत@75 प्रोजेक्ट (आजादी का अमृत महोत्सव) का एक हिस्सा है, जो 'लोकतंत्र (संस्थाएं, घटनाएं, लोग, संवैधानिक मूल्य - अतीत, वर्तमान, भविष्य)' विषय पर लेखकों की युवा पीढ़ी के दृष्टिकोण को एक अभिनव और रचनात्मक तरीके से सामने लाता है। इस

प्रकार यह योजना उन लेखकों का एक वर्ग विकसित करने में मदद करेगी जो भारतीय विरासत, संस्कृति और ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषयों पर लिख सकते हैं।

(झ) जनजातीय अनुसंधान संस्थान, रांची के साथ समझौता ज्ञापन

नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), भारत ने रांची के डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान, जिसे जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) के नाम से जाना जाता है, के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ताकि उन भाषाओं में बच्चों की सचित्र किताबें प्रकाशित करके तीन लुप्तप्राय जनजातीय भाषाओं को संरक्षित किया जा सके। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, रांची में टीआरआई परिसर में एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 15 सचित्र पुस्तकों का तीन आदिवासी भाषाओं, सबल, कोरवा और पहाड़िया में अनुवाद किया गया। डॉ. एसपी मुखर्जी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री सत्य नारायण मुंडा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया.

एनबीटी पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे देश में नियमित रूप से पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों का भी आयोजन करता है। हाल ही में ट्रस्ट ने गोमती पुस्तक मेले और लद्दाख पुस्तक मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

****